CS (Main) Exam,2021

अर्थशास्त्र (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़िए)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, को माना जाना चाहिए तथा यदि उत्तर की शब्द-सीमा मान्य सीमा से ज्यादा अधिक अथवा ज्यादा कम हो, तो अंकों में कटौती की जा सकती है।

जहाँ आवश्यक हो, आलेख/चित्र उत्तर के लिए दिए गए स्थान में ही दर्शाइए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ECONOMICS (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Graphs/Illustrations, wherever required, may be drawn/given in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में लिखिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) ब्रिटिश शासनकाल में भारतीय कृषि के व्यापारीकरण को बढ़ावा देने वाले कारकों की समीक्षा कीजिए।

Examine the factors that facilitated commercialisation of Indian agriculture during the British rule.

(b) क्या आप समझते हैं कि भारत में रेलवे के इतिहास में 'नई जमानत (गारंटी)' व्यवस्था, 'पुरानी जमानत' व्यवस्था से श्रेष्ठ थी? कारण बताइए।

Do you think that the 'new guarantee' system was better than the 'old guarantee' system in the history of Railways in India? Give reasons.

(c) राजकोषीय स्वास्थ्य (फिस्कल हेल्थ) में क्षैतिज असन्तुलन को दूर करने में गाडगिल सूत्र की प्रासंगिकता का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the relevance of Gadgil formula in reducing horizontal imbalance of fiscal health.

(d) 1960 के दशक के मध्य से 1970 के दशक के मध्य औद्योगिक वृद्धि के धीमे पड़ने के मुख्य कारणों की विवेचना कीजिए।

Explain the principal causes of deceleration in industrial growth during the mid-1960s to mid-1970s.

(e) निर्धनता की निरपेक्ष माप एवं सापेक्ष माप में भेद कीजिए। भारत में निर्धनता का आकलन किस माप से किया जाता है?

Distinguish between absolute measure and relative measure of poverty. What kind of measure is used in estimating poverty in India?

2. *(a)* ब्रिटिश काल में भारत में जूट व सूती वस्त्र उद्योग के विकास की मुख्य विशेषताओं की तुलना कीजिए।

Compare the main features of development of jute and cotton textile industry in India during the British period. 20

(b) उदारीकरण-पूर्व अवधि में भारतीय उद्योगों में प्राथमिक व पूँजीगत वस्तुओं के उत्पादन की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the trends in the production of primary goods and capital goods in Indian industries during the pre-liberalisation period. 15

(c) सुधार-पूर्व अवधि में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के निष्पादन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Critically analyse the performance of public sector enterprises during the pre-reform period. 15

3. *(a)* क्या आप समझते हैं कि भारत में प्रभावशाली भूमि सुधार, कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक किन्तु पर्याप्त शर्त नहीं है? अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए।

Do you think that effective land reforms are necessary but not sufficient conditions for raising agricultural productivity in India? Explain your answer. 20

(b) उदारीकरण के बाद की अवधि में घरेलू कंपनियाँ कैसे बहुराष्ट्रीय कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर रहीं हैं? परीक्षण कीजिए।

Examine how the domestic companies are competing with the MNCs in the post-liberalisation era. 15

(c) भारत में कृषीय उत्पादन, रोजगार तथा आय वितरण पर हरित क्रान्ति के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the impact of Green Revolution on agricultural output, employment and income distribution in India. 15

4. *(a)* क्या आप समझते हैं कि 1980 के दशक में भारत ने सकल घरेलू उत्पाद (जी० डी० पी०) की वृद्धि तथा इसकी क्षेत्रीय संरचना में एक बड़े अवसर (ब्रेक) का अनुभव किया था? कारण बताइए।

Do you think that India experienced a major break in GDP growth and its sectoral composition during the 1980s? Give reasons. 20

(b) भारत में राष्ट्रीय आय के निर्धारण में माँग पक्ष कारकों की सापेक्ष भूमिका की जाँच कीजिए।

Examine the relative role of demand side factors in determining national income in India. 15

(c) क्या आप समझते हैं कि भारत में निर्धनता की माप के लिए गैर-आय आयामों को आय आयाम के पूरक के रूप में माना जाना चाहिए? कारण दीजिए।

Do you think that non-income dimensions should be treated as complementary to income dimension in measuring poverty in India? Give reasons. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में लिखिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) उन्नीसवीं शताब्दी के दूसरे भाग में भारत से 'आर्थिक निकास' सिद्धान्त को समझाने के लिए दिए गए तर्कों की जाँच कीजिए।

Examine the arguments to explain the theory of 'economic drain' from India in the second half of the 19th century.

(b) भारतीय कृषि पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू० टी० ओ०) के उरुग्वे चक्र (राउन्ड) के अन्तर्गत किए गए कृषि पर समझौता (ए० ओ० ए०) की प्रमुख प्रतिबद्धताओं की प्रभावशीलता का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the effectiveness of the major commitments of Agreement on Agriculture (AoA) of the Uruguay Round of WTO on Indian agriculture.

(c) खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा की गई नवीन पहलों का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the new initiatives taken by the Government of India to boost food processing sector.

(d) भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आर० बी० आइ०) द्वारा अपनाई गई रणनीतियों की विवेचना कीजिए।

Discuss the strategies adopted by the RBI to promote financial inclusion in India.

(e) सम्पत्ति निर्माण तथा निर्धनता उन्मूलन में महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम (मनरेगा) की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the role of MGNREGA in asset creation and poverty alleviation.

6. (a) भारत में कृषि पर सार्वजनिक व्यय के प्रमुख घटक कौन-से हैं? क्या आप कृषि विकास को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि पर सार्वजनिक व्यय के स्वरूप (पैटर्न) में किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुशंसा करेंगे?

What are the major components of public expenditure on agriculture in India? Would you recommend any changes in the pattern of public expenditure on agriculture to stimulate agricultural growth? 20

(b) भारत में बाजार-आधारित विकास के संदर्भ में योजना (प्लानिंग) के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the significance of planning in the context of market-based development in India. 15

(c) उदारीकरण के बाद की अवधि में भारत सरकार की प्रापण नीति (प्रोक्योरमेंट पॉलिसी) तथा कृषीय मूल्यों पर पड़ने वाले इसके प्रभावों की जाँच कीजिए।

Examine the procurement policy of the Government of India in the post-liberalisation period and its impact on agricultural prices. 15

7. (a) उदारीकरण के पश्चात् की अवधि में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ० डी० आइ०) के क्षेत्रीय अंतर्वाह (सेक्टोरल इनफ्लोस) का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the sectoral inflows of FDI in India during the post-liberalisation period. 20

(b) सार्वजनिक उद्यमों में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के लिए भारत सरकार की रणनीतियों की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

Critically discuss the strategies formulated by the Government of India to increase private sector participation in public enterprises. 15

(c) राजकोषीय संघवाद पर बारहवें वित्त आयोग की अनुशंसाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Critically analyse the recommendations of the Twelfth Finance Commission on fiscal federalism. 15

8\. *(a)* पूँजी खाते की संपरिवर्तनीयता को परिभाषित कीजिए। रुपये की पूँजी खाते की संपरिवर्तनीयता पर तारापोर समिति (I एवं II) की अनुशंसाओं का परीक्षण कीजिए।

Define capital account convertibility. Examine Tarapore Committee (I and II) recommendations on capital account convertibility of rupee. 20

(b) भारतीय कृषि पर ट्रिप्स (टी० आर० आइ० पी० एस०) समझौते के प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the effects of TRIPS Agreement on Indian agriculture. 15

(c) नई आर्थिक नीति ने किस प्रकार भारत में रोजगार के ढाँचे को परिवर्तित किया है? मूल्यांकन कीजिए।

How does the New Economic Policy change the structure of employment in India? Evaluate. 15

★★★